

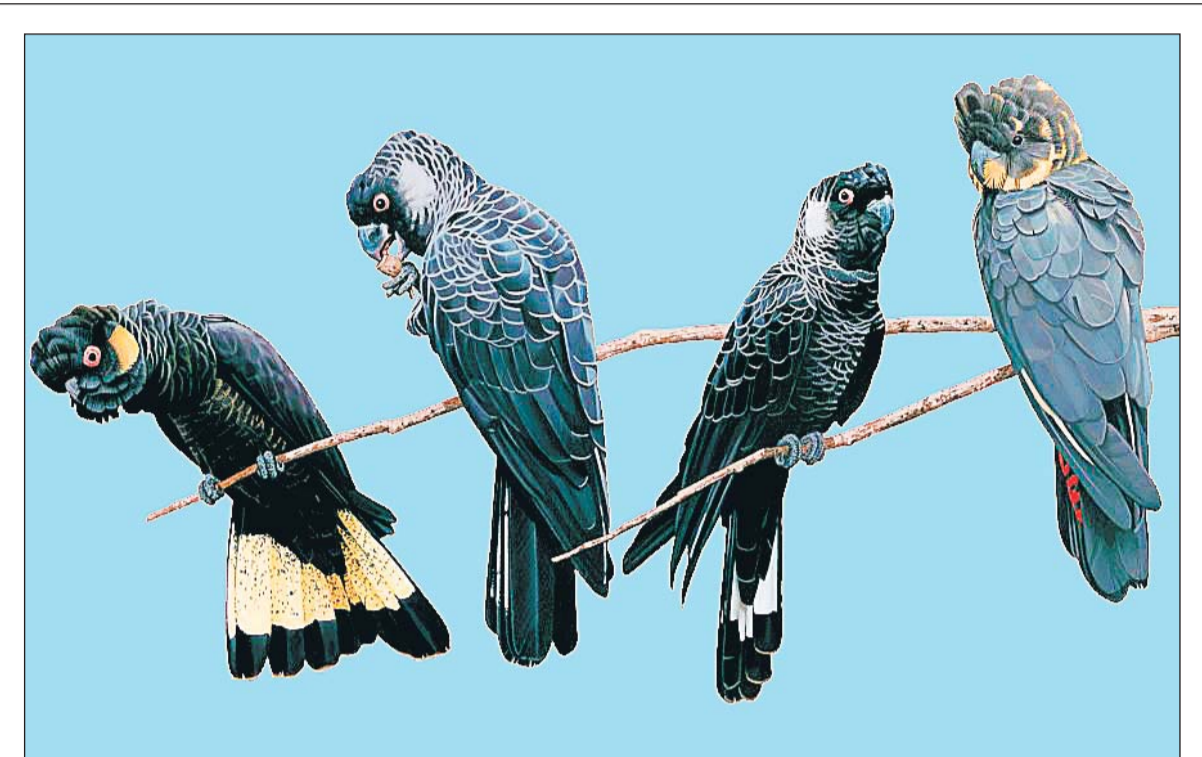


ISRAEL HAS BEEN  
OUT THOUGHT...

Avigdor Lieberman had warned "We are buying quiet for the short term at the price of serious damage to national security in the long term".

Weight Loss  
Smoothies

Turn your body into a hyper-efficient fat-burning machine by rewiring up your metabolism.



वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में तोते की एक प्रजाति, ब्लैक काकातू (कॉकटू) बेहद आम हैं। कार्नीबी, बॉडिन और फॉरेस्ट रैंड टेल्ड ब्लैक काकातू, ये सभी यहाँ सहज सुलभ हैं। लेकिन, दुर्भाग्यवश ये खूबसूरत पंखे ज्यादा दिन नजर नहीं आएंगे। वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में ब्लैक काकातू की तीन प्रजातियाँ वर्तमान में संवेदनशील, संकटग्रस्त और गंभीर रूप से संकटग्रस्त लिस्ट में अधिसूचित हैं। इनकी आबादी तेजी से घट रही है। कुछ वैज्ञानिकों ने यह भविष्यवाणी तक कर दी है कि, ये जल्दी ही लुप्त हो सकते हैं। काराकिन ब्लैक काकातू कंजर्वेशन सेंटर की क्लोई बाल्सली, डार्लिंग रेंज वाइल्डलाइफ शैल्टर और काराकिन में स्वयं सेवक हैं। इनका समूह ब्लैक काकातू को लुप्त होने से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। अत्यधिक खूबसूरत ब्लैक काकातू बहुत ही मस्तमौला पक्षी हैं, उनके आस-पास जो भी होता है उससे उनका भावात्मक रिश्ता बन जाता है। इसलिए इन पक्षियों को मारा जाना ज्यादा दर्दनाक है। क्लोई कहती हैं कि, आवास विनाश व जंगलों का विखण्डन ब्लैक काकातू के लिए सबसे बड़ा खतरा है। मूल आवास नष्ट होने से ब्लैक काकातू को भोजन के लिए दूर तक जाना पड़ता है, इस कारण उनके लिए खतरा बढ़ रहा है। यात्रा में कई छोटे पक्षी तो खो जाते हैं। क्लोई ने कहा, " हमें कई कार्नीबी काकातू बीमार अवस्था में भी मिले हैं। कीटनाशक दवा वाली कैनोला फसलों को खाने से इन्हें काकातू हाइड्रॉलिंग पैरालिसिस सिंड्रोम हो जाता है। इसके अलावा रेवन्स (काले कोए) भी प्रायः इन पर हमला कर देते हैं। इन घायल व बीमार पक्षियों का पुनर्वास हो सकता है, पर यह एक लम्बी प्रक्रिया है। ब्लैक काकातू पेड़ों के कोटर में घर बनाते हैं। कोटर बनने में कई साल लग जाते हैं, और अगर जंगल कटते रहे तो इनके लिए घासला बनाने की जगह ही नहीं बचेगी। ब्लैक काकातू का सांस्कृतिक महत्व भी है। स्थानीय कबीलों के सरदार इनके पंखों को सिर पर धारण करते हैं। कार्नीबी ब्लैक काकातू को वर्षा का अग्रदूत माना जाता है। कीट पतंगों को खाकर ये जंगल को सुरक्षित रखते हैं, बीजों को दूर तक फैलाते हैं और पर्यावरण की मदद करते हैं।

## हेमाराम चौधरी को मनाने के लिए एकजुट हुए गुड़ामालानी के कांग्रेस कार्यकर्ता

मेला मैदान, गुड़ामालानी, में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन व धन्यवाद सभा में पूरा दिन हेमाराम चौधरी को मनाने की कवायद चली

गुड़ामालानी, 16 अक्टूबर (निसं)। गुड़ामालानी मुख्यालय के मेला मैदान में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन एवं धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुए। सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हेमाराम चौधरी भी मौजूद थे।

- अन्त में हेमाराम चौधरी ने यह कह कर मामला शांत किया कि, पार्टी जिसे भी क्षेत्र से टिकट देगी, उसके साथ खड़े रह कर हमें उसे जिताना है।
- गौरतलब है कि, हेमाराम चौधरी ने इस बार चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। उन्होंने कहा, मैं गुड़ामालानी से 6 बार विधायक रह चुका हूँ, अब युवा को मौका दिया जाना चाहिए।
- पर, यह भी वास्तविकता है कि, हेमाराम की क्षेत्र में भारी लोकप्रियता है और सिर्फ वे ही हैं जो यहां भाजपा को टक्कर दे सकते हैं।

कभी हार से नहीं डरता है। जनता की बात को मानते हुए मैं विधानसभा क्षेत्र गुड़ामालानी से छह बार चुनाव लड़ चुका हूँ और जीता हूँ। उन्होंने कहा, अब मैंने एक मुंह से मना किया तो उसी मुंह से हां नहीं भर सकता हूँ। अगर मैं जनता की बात मानता हूँ तो जनता भी मेरी बात को माने अन्यथा मैं भी अन्न जल त्याग दूंगा।

ज्ञातव्य है कि, कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी ने इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। कई बार सार्वजनिक मंचों पर भी उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि, अबकी बार युवाओं को मौका दिया जाना चाहिए। लेकिन क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांग है कि, इस बार वो चुनाव मैदान में

उतरे। सोमवार को आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में हेमाराम चौधरी ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि, गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र की जनता का मेरे ऊपर कर्ज है, जो मैं कभी उतार नहीं सकता हूँ। चुनाव मैदान में हार जीत होती रहती है। लेकिन मैं एक किसान का बेटा हूँ और किसान का बेटा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## सी.जे.आई. की टिप्पणी से मिला आईडिया, आप को शराब घोटाले का आरोपी बनाएगी ई.डी. व सी.बी.आई.

भारत के मुख्य न्यायाधीश, डी. वाय. चंद्रचूड़ ने मनीष सिसोदिया के केस की सुनवाई करते समय कहा था, अगर सिसोदिया पर पार्टी के लिए पैसे लेने का आरोप है, तो पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया

खेड़ा ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 17 अगस्त के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मोदी के नाम का गलत उच्चारण करने के मामले में दर्ज एफ. आई.आर. रद्द करने की खेड़ा की याचिका खारिज कर दी थी।

प्रभारी पवन खेड़ा की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा। खेड़ा ने यह याचिका उस एफ.आई.आर. को निरस्त (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) और सी.बी.आई. ने सुप्रीम कोर्ट को सोमवार को कहा कि वे पार्टी को भ्रष्टाचार एवं मनी लॉण्डरिंग के उस मुकदमे में आरोपी बनाने जा रहे हैं जिसमें दिल्ली की आबकारी नीति के तहत गत वर्ष बहुत बड़ा घोटाला हुआ था। यह आईडिया असल में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी.वाय. चंद्रचूड़ से मिला, जब एक सुनवाई के दौरान उन्होंने एजेंसियों से पूछा कि यदि मुकदमा यह है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अपनी पार्टी के लिए पैसा इकट्ठा कर रहे थे तो आप को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया। दोनों जांच एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करने वाले

- इस केस में ई.डी. और सी.बी.आई. का प्रतिनिधित्व कर रहे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल, एस.वी. राजू ने कहा कि, हम आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाने पर विचार कर रहे हैं।
- राजू ने कहा, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट की धारा 70 और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत आप को आरोपी बनाया जा सकता है।
- सुप्रीम कोर्ट की, जस्टिस संजीव खन्ना एवं एस.वी.एन. भट्टी की बेंच ने राजू से पूछा कि, ई.डी. व सी.बी.आई. जिस केस की जांच कर रही हैं, क्या उसमें आप के खिलाफ अलग से आरोप तय होंगे। बेंच ने कहा कि, बहुत सतर्कता से और सटीक तरीके से मंगलवार को अपना जवाब दें।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने जस्टिस संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की बेंच को कहा कि उन्हें यह

वक्तव्य देने के निर्देश मिले हैं कि "हम आम आदमी पार्टी (आप) को आरोपी बनाने की तैयारी कर रहे हैं और प्रिवेंशन

ऑफ करशन एक्ट तथा प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट की धारा 70 के तहत आरोप निर्धारित कर रहे हैं। लेकिन बेंच ने उन्हें मंगलवार को यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि क्या इन दोनों एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे मामले में आप के विरुद्ध अलग आरोप होंगे। राजू ने कहा कि भ्रष्टाचार और मनी लॉण्डरिंग केस में आरोप अलग होंगे लेकिन उन्हीं अपराधों के लिए। जस्टिस खन्ना ने कहा, "ध्यान रखिए, सटीक निर्देश लीजिए और मंगलवार को बताइए कि आरोप वे ही होंगे या अलग।" अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने यह बयान तब दिया जब बेंच शराब घोटाले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आप के वरिष्ठ सांसद संजय सिंह भी इसी मामले में गिरफ्तार हुए हैं और अभी जेल में हैं।

बताया जाता है कि, यह संकट छत्तीसगढ़ सरकार की लापरवाही का नतीजा है। हैरानी की बात है कि, राजस्थान की तरह छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की सरकार है फिर भी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजस्थान सरकार के तमाम आवेदनों की अनदेखी की।

बंद होने के कारण राजस्थान में कोयले की कमी आ गई है, जहां चुनाव होने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## देवजी के विरोध में 168 बूथ अध्यक्षों के इस्तीफे

सांचौर, 16 अक्टूबर (निसं)। भाजपा सांसद देवजी पटेल को विधानसभा चुनाव में टिकट दिये जाने से नाराज स्थानीय कार्यकर्ताओं में विरोध दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को सांचौर व भाजपा विधानमंडल के 168 पदाधिकारियों ने एक साथ पद से इस्तीफा दे दिया। सांचौर

- सांचौर विधानसभा क्षेत्र से सांसद देवजी पटेल को टिकट दिए जाने पर विरोध निरंतर जोर पकड़ रहा है। सोमवार को 9 शक्ति केन्द्रों के 168 बूथ अध्यक्षों ने एक साथ इस्तीफे दे दिए।

विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले 9 क्षेत्रों को भाजपा का शक्ति केन्द्र माना जाता है। सोमवार को इन 9 शक्ति केन्द्रों के 168 भाजपा बूथ अध्यक्षों ने एक साथ सामूहिक इस्तीफा दे दिया। बूथ अध्यक्षों का कहना है कि, पिछले 5 वर्षों में संगठन के प्रत्येक कार्य भागीदारी से निभाने में पूर्व विधायक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## क्या महुआ मोड़त्रा जेल जाने वाली अगली सांसद होंगी?

राजनैतिक हल्कों में चर्चा है कि, राहुल गांधी व संजय सिंह की तरह महुआ को भी गौतम अडानी पर सवाल उठाने के लिए निशाना बनाया जा रहा है

-श्रीरंज इन्द्र-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। कांग्रेस के राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह के बाद, क्या भाजपा ने उद्योगपति गौतम अडानी पर आक्रमण करने वाली चुण्मूल कांग्रेस सांसद महुआ मोड़त्रा को चुप करने के लिए उनपर जवाबी हमला करने का निर्णय लिया है।

रविवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को लिखे गये पत्र के बाद इस चर्चा ने जोर पकड़ा है। दुबे ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि, बिजनेसमैन हीरानन्दानी से पैसे लेकर मोड़त्रा उनकी तरफ से संसद में प्रश्न पूछती हैं। दुबे की शिकायत एक पत्र पर आधारित है, जो उन्हें मोड़त्रा के पूर्व बॉयफ्रेंड व वकील जय अनन्त देहादराई से मिला है। जय अनन्त ने, यह दावा करते हुए, सी.बी.आई. में शिकायत दर्ज करवाई है कि, उनके पास इस बात के "अकाउंट सबूत" हैं कि महुआ मोड़त्रा हीरानन्दानी से रिश्तत लेती हैं। मोड़त्रा के विरुद्ध

- भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने स्पीकर ओम बिड़ला को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि, सांसद महुआ मोड़त्रा पैसे लेकर संसद में सवाल पूछती हैं
- दुबे ने आरोप लगाया कि, मोड़त्रा बिजनेस टायकून दर्शन हीरानन्दानी से पैसे और मंहगे तोहफे लेती हैं और इसके एवज में संसद में मुद्दे उठाती हैं।
- दुबे की शिकायत महुआ के पूर्व मित्र एवं एडवोकेट जय अनन्त देहादराई के पत्र पर आधारित है, जिसने सी.बी.आई. में शिकायत दर्ज कर इस संबंध में सबूत होने की बात कही है।
- यही नहीं, मोड़त्रा की निजी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल की गई हैं।

कार्रवाई की संभावना प्रबल है। हीरानन्दानी ने इन आरोपों का खण्डन किया है, वहीं, मोड़त्रा ने दुबे, एडवोकेट देहादराई तथा कई मीडिया संगठनों को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। देहादराई के साथ ब्रेकअप के बाद, कृष्णा नगर से सांसद, मोड़त्रा ने एडवोकेट के विरुद्ध पुलिस कम्प्लेंट

दर्ज कराई थी, जिसमें कहा था कि, एडवोकेट ने उनके निवास में जबरन प्रवेश करने का प्रयास किया और एक मोके पर तो उनका कुत्ता भी चुरा लिया, जिसे बाद में लौटा दिया। देहादराई के आग्रह पर मोड़त्रा ने कम्प्लेंट वापस ले ली थी। फायनैशियल टाइम्स में, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## चुनावी मौसम में कोयला संकट से घिरा राजस्थान

-जाल खंबाता-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ की कोयला खदान में उत्पादन

बंद होने के कारण राजस्थान में कोयले की कमी आ गई है, जहां चुनाव होने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)